Ans. (a) : पश्चिमी राजस्थान के क्षेत्र में सिर पर मटका लेकर भवाई जाति की स्त्रियों द्वारा किया जाने वाला लोकनृत्य 'भवाई है। जिसकी प्रमुख कलाकार तारा शर्मा, रूप सिंह शेखावत, दयाराम, अस्मिता काला है। इस नृत्य की पहली महिला कलाकार के रूप में पुष्पा ब्यास का नाम आता है।

180. ब्लू पॉटरी को राजस्थान में किस शासक द्वारा लाया गया?

(a) महाराजा राम सिंह (b) महाराजा मान सिंह
(c) महाराजा माधो सिंह (d) महाराजा भवानी सिंह

कर सहायक भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (a) – ब्लू पॉटरी (नील मृदभाण्ड) को राजस्थान में महाराजा राम सिंह द्वारा लाया गया था। इसका विकास पर्सिया से माना जाता है। इसमें परम्परागत हरे एवं नीले रंग का प्रयोग होता है। कृपाल सिंह शेखावत ने जयपुर की ब्लू पॉटरी को अन्तर्राष्ट्रीय पहचान दिलाई। इसके लिए वर्ष 2002 में भारत सरकार ने उन्हें शिल्प गुरू की उपाधि से सम्मानित किया। सवाई रामसिंह द्वितीय ने वर्ष 1857 में राजस्थान कला विद्यालय की स्थापना की। जिसका प्रारम्भिक नाम 'मदरसा ए हुनारी' था। वर्ष 1886 में नाम बदल कर 'महाराजा स्कूल ऑफ आर्ट एण्ड क्राफ्ट' कर दिया गया। ब्लू पाटरी को जयपुर के राजाओं द्वारा संरक्षण दिया गया। ब्लू पाटरी का पूर्व नाम 'कॉमचीनी' था।

181. 'ब्लू पॉटरी' की प्रसिद्ध कला इससे पूर्व किस नाम से जानी जाती थी?

(a) नीलगिरि (b) जामदानी
(c) कामचीनी (d) मृण्मय

RPSC OAA-2018 Ag. Deptt (Part-1) 17-10-2022

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

182. राजस्थान के किस रजवाड़े ने ब्लू पॉटरी को प्रश्रय दिया?

(a) बीकानेर (b) उदयपुर
(c) जयपुर (d) जोधपुर

RPSC RAS/RTS 1997-98, 2012
RPSC कनिष्ठ अभियंता -20.05.2022 Shift - II

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

183. सवाई रामसिंह -II द्वारा किस वर्ष राजस्थान कला विद्यालय की स्थापना की गई?

(a) 1882
(b) 1860
(c) 1857
(d) इनमें से कोई नहीं

पटवार 2020 (24 अक्टूबर, 2021) Shift-III

Ans. (c) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

184. 'बांधो और रंगो' कला के लिये राजस्थान में कौन सा स्थान प्रसिद्ध है?

(a) जोधपुर (b) नाथद्वारा
(c) बाड़मेर (d) जयपुर

कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक) (डिप्लोमाधारक)-2020

Ans. (d) – बंधेज को 'बांधो और रंगों' कला भी कहा जाता है। यह जयपुर में प्रसिद्ध हैं इसमें मनपसंद रंगों के डिजाइन प्राप्त करने के लिए कपड़े को बाँधकर फिर रंगा जाता है।

185. जयपुर में 'मीनाकारी' की कला किस शासक के समय में आयी?

(a) सवाई जयसिंह (b) मानसिंह - I
(c) भारमल (d) मिर्जा राजा जयसिंह

कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक) (डिप्लोमाधारक)-2020

Ans. (b) – मीनाकारी मूलतः ईरान की कला है। मुगलों के समय में यह कला भारत में आयी। यह कला मानसिंह-प्रथम के समय में जयपुर में आयी।

186. जयपुर राज्य के कारखाने का नाम जहाँ कलाकार चित्र और लघु चित्र बनाते थे–

(a) तोषाखाना (b) सुतरखाना
(c) सूरतखाना (d) जवाहरखाना

उत्तर – (c)

RPSC RAS/RTS 2013

व्याख्या – राजस्थानी चित्रकला की जयपुर शैली में मुगल शैली का सबसे अधिक प्रभाव देखने को मिलता है। इस शैली के विशिष्ट विषय हैं – चिंघाड़ते हाथी, वृक्षों पर उछलते लंगूर/बंदर, घायल/तड़पता शेर, फकीर को भिक्षा देती स्त्रियाँ आदि। प्रमुख चित्रित ग्रन्थों में रासमंडल, कृष्ण लीला, बारामासा, गोवर्धन पूजा, गोवर्धन धारण, ऋतु वर्णन, बिहारी सतसई। प्रमुख चित्रकार - मोहम्मद शाह, साहिब राम चितरो, सालिग राम, लक्ष्मण राम।
जयपुर राज्य का सूरतखाना ऐसा कारखाना है जहाँ कलाकार चित्र एवं लघुचित्र बनाते थे।

187. जमनादास, छोटेलाल, बक्साराम व नन्दलाल चित्रकला की किस शैली से संबद्ध है?

(a) अलवर शैली (b) बीकानेर शैली
(c) मारवाड़ शैली (d) झालावाड़ शैली

उत्तर – (a)

RPSC RAS/RTS 2015

व्याख्या – चित्रकला की अलवर शैली का विकास जयपुर शैली की उपशैली के रूप में हुआ। इस शैली के प्रमुख चित्रकार डालूराम, बलदेव, सालिगराम, जमनादास, छोटेलाल, बक्साराम, गुलाम अली, रामगोपाल व नन्दलाल थे। बीकानेर शैली का सर्वाधिक विकास अनूप सिंहा के शासन काल में हुआ। रामलाल, अली रजा, हसन रजा रुकुनुद्दीन इस शैली के उल्लेखनीय कलाकार हैं।

188. गुलाम अली, बलदेव, सालिगराम, रामगोपाल चित्रकारों का संबंध किस चित्र शैली से रहा है-

(a) नाथद्वारा (b) अलवर
(c) बूँदी (d) बीकानेर

JEN Civil Diploma (Tsp Area) 16.10.2016

Ans. (b) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

189. निम्नलिखित में से कौन सा चित्रकार अलवर शैली की चित्रकला से संबंधित नहीं है?

(a) जमनादास (b) बकसाराम (c) नानकराम (d) नंदराम

उत्तर (c)

RPSC RAS/RTS 2018

व्याख्या- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

190. मीनाकारी की थेवा कला के लिए राजस्थान का कौन सा स्थान प्रसिद्ध है?

(a) बाड़मेर (b) प्रतापगढ़
(c) नाथद्वारा (d) जोबनेर

महिला सुपरवाइजर भर्ती परीक्षा-2018
कनिष्ठ अभियंता (विद्युत) भर्ती परीक्षा-2020
अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा -2019